 	जिवाणु जनीत उकैटा	1.बिना पीले पड़े, पुरा पौधा एकाएक गिर जाता है। 2.यदि तने की किसी भाग को काटे या जोर से दबाए तो इसमे से (बैक्टिरियल) रस टपकेगा।	1.हमेशा रोग से मुक्त, स्वस्थ पौध का प्रत्यारोपण (ट्रांसप्लांटिंग)। 2.मिट्टी का चूने या ब्लीचिंग पाउडर के साथ इलाज।
 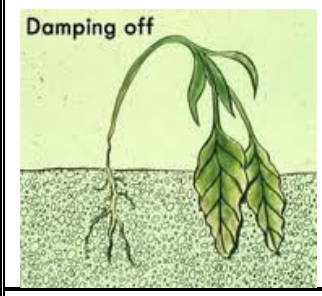	अर्धपदगलन/(Damping Off)	1.उगने से पहले: मूलिका और कल्ला पूरा सड़ जाता है। 2. उगने के बाद लक्षण: पत्तो का भूरा होना व मुर्झा जाना।	1.बीज गहरी नहीं बोया जाना चाहिए। 2. बुवाई से पहले 15-20 दिनों में 100 लीटर पानी में पांच लीटर फोर्मेलिन मिलायै और सीड-बैड पर स्प्रे करे। 3. 0.05 प्रतिशत कार्बेंडाज़िन (carbendazin) साथ नर्सरी बेड की सिंचाई।
II 	फल गलन (Fruit Rot)	1.आम तौर पर जहां फल मिट्टी छू लेती है वहां ये रोग एक भूरा हरे या भूरे रंग पानी से भरे हुए ध्ब्बे के रूप में प्रकट होता है। 2. जब युवा हरे फल संक्रमित होते हैं, वे आम तौर पर सिकुड जाते हैं।	1.अच्छी जल निकासी की स्थिति क्षेत्र में रखा जाना चाहिए। 2.**4** बार (Difolaton) डाइफोलेटोन (0.3%) के साथ 10 दिन के अंतराल में छिड़काव प्रभावी रूप से बीमारी को नियंत्रित करता है।